श्री गणेश चतुर्थी पूजा विधि

https://pdfseva.com/

1. आवाहन एवं प्रतिष्ठापन (Avahana and Pratishthapan)

- **आवाहन (Avahana)**

श्री गणेश पूजन आरम्भ करने हेतु सर्वप्रथम भगवान गणेश का आह्वान करें। आवाहन करने हेतु श्री गणेश जी की मूर्ति के समक्ष दोनों हथेलियों को जोड़कर व दोनों अगूँठों को अन्दर की ओर मोड़कर आवाहन मुद्रा में निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करें।

"हे हेरम्ब त्वमेह्येहि ह्यम्बिकात्र्यम्बकात्मज।
सिद्धि-बुद्धि पते त्र्यक्ष लक्षलाभ पितुः पितः।।
नागस्यं नागहारं त्वां गणराजं चतुर्भुजम्।
भूषितं स्वायुधौदव्यैः पाशांकुशपरश्वधैः।।
आवाहयामि पूजार्थं रक्षार्थं च मम् कृतोः।
इहागत्य गृहाण त्वं पूजां यागं च रक्ष मे।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
आवाहयामि-स्थापयामि।।"

https://pdfseva.com/

- **प्रतिष्ठापन (Pratishthapan)**

भगवान गणेश का आह्वान करने पश्चात, निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करें।

"अस्यै प्राणः प्रतिष्ठन्तु अस्यै प्राणाक्षरन्तु च।
अस्यै देवत्वमर्चायै मामहेति च कश्चन।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
सुप्रतिष्ठो वरदो भव॥"

2. आसन (Asana)

आवाहन एवं प्रतिष्ठापन के उपरान्त दोनों हाथों को जोड़ कर अंजलि में पाँच पुष्प लें तथा उन्हें निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए भगवान गणेश के समक्ष छोड़कर आसन अर्पित करें।

"विचित्ररत्नखचितं दिव्यास्तरणसंयुतम्।
स्वर्ण सिंहासनं चारु गृहाण गुहाग्रज।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
आसनं समर्पयामि॥"

https://pdfseva.com/

3. पाद्य (Padya)

आसन ग्रहण कराने के पश्चात गणेश जी को निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए चरण प्रक्षालन हेतु जल अर्पित करें।

"ॐ सर्वतीर्थसमुद्भूतं पाद्यं गन्धादिभिर्युतम्।
गजानन गृहाणेदं भगवान भक्तवत्सलः।।
**ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
पादयोः पाद्यं समर्पयामि।"**

4. अर्घ्य (Arghya)

पाद्य अर्पण करने के उपरान्त निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को अभिषेक हेतु अर्घ्य रुपी जल अर्पित करें।

"ॐ गणाध्यक्ष नमस्तेऽस्तु गृहाण करुणा कर।
अर्घ्यं च फल संयुक्तं गन्धमाल्याक्षतैर्युतम्।।
**ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
हस्तोरयं समर्पयामि।"**

https://pdfseva.com/

5. आचमन (Achamana)

अर्घ्य अर्पण करने के उपरान्त निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को आचमन हेतु जल अर्पित करें।

“विघ्नराज नमस्तुभ्यं त्रिदशैरभिवन्दित।
गङ्गोदकेन देवेश कुरुष्वाचमनं प्रभो।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
मुखे आचमनीयं समर्पयामि।।”

6. स्नान मन्त्र (Snana Mantra)

- **स्नान (Snana)**

अचपन अर्पण करने के पश्चात निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को स्नान हेतु जल अर्पित करें।

“नर्मदा चन्द्रभागादि गङ्गासङ्गसजैर्जलैः।
स्नानि तोसि मया देव विघ्नसघं निवारय।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
सर्वाङ्ग स्नानं समर्पयामि।।”

https://pdfseva.com/

- **पञ्चामृत स्नानम् (Panchamrita Snanam)**

आचमन के पश्चात निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को पञ्चामृत (दूध, दही, शहद, घी तथा चीनी के मिश्रण) से स्नान कराएं।

"पञ्चामृतं मयाऽऽनीतं पयोदधि, घृतं मधु।
शर्करा च समायुक्तं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।"

- **पयः/दूध स्नानम् (Payah/Dugdha Snanam)**

पञ्चामृत स्नानम् के उपरान्त निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी का पयः/दूध से अभिषेक करें।

"कामधेनुसमुद्भूतं सर्वेषां जीवनं परम्।
तेजः पुष्टिकरं दिव्यं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।"

https://pdfseva.com/

• दधि स्नानम् (Dadhi Snanam)

दुग्धस्नान के पश्चात निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को दधि (दही) से स्नान कराएं।

"पयसस्तु समुद्भूतं मधुराम्लं शशिप्रभम्।
दध्यानीतं मयादेव स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।"

• घृत स्नानम् (Ghrita nanam)

दधि स्नान के पश्चात निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को घृत (घी) से स्नान कराएं।

"नवनीत समुत्पन्नं सर्वसंतोषकारकम्।
घृतं तुभ्यं प्रदास्यामि स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।"

https://pdfseva.com/

• मधु स्नानम् (Madhu Snanam)

घृत स्नान के पश्चात निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को मधु (शहद) से स्नान कराएं।

"पुष्परेणुसमुद्भूतं सुस्वादु मधुरं मधु।
तेजः पुष्टिकरंदिव्यं स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।"

• शर्करा स्नानम् (Sharkara nanam)

मधु स्नान के पश्चात निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को शर्करा (शक्कर) से स्नान कराएं।

"इक्षुसारसमुद्भूतं शर्करा पुष्टि दा शुभा।
मलापहारिका दिव्या स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।"

https://pdfseva.com/

- **सुवासित स्नानम् (Suvasita Snanam)**

शर्करा स्नान के उपरान्त निम्नलिखित उच्चारण करते हुए श्री गणेश जी को सुगन्धित (तेल) द्रव्य से स्नान कराएं।

"चम्पाकाशेकबकुल मालती मोगरादिभिः।
वासितं स्निग्धताहेतु तैलं चारु प्रतिगृह्यताम्।।"

- **शुद्धोदक स्नानम् (Shuddhodaka Snanam)**

सुवासित स्नानम् के पश्चात निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को शुद्ध जल (गंगाजल) से स्नान कराएं।

"गङ्गा च यमुना चैव गोदावरी सरस्वती।
नर्मदा सिन्धुः कावेरी स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्।।"

https://pdfseva.com/

7. वस्त्र व उत्तरीय समर्पण (Vastra and Uttariya Samarpan)

- **वस्त्र समर्पण (Vastra Samarpan)**

अब निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को नवीन वस्त्रों के रूप में मोली अर्पित करें।

"शीतवातोष्ण सन्त्राणं लजाया रक्षणं परम।
देहालंकरणं वस्त्रमतः शान्ति प्रयच्छ मे।।

**ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
वस्त्रं समर्पयामि।"**

- **उत्तरीय समर्पण (Uttariya Samarpan)**

वस्त्र अर्पण करने के पश्चात निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को शरीर के ऊपरी अंगों के लिए वस्त्र अर्पित करें।

"उत्तरीयँ तथा देव नाना चित्रितमुत्तमम्।
गृहाणेद्रं मया भक्तया दत्तं तत् सफली कुरु।।

**ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
उत्तरीय समर्पयामि॥"**

https://pdfseva.com/

8. यज्ञोपवीत (Yajnopavita)

वस्त्र अर्पण करने के उपरान्त निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को यज्ञोपवीत अर्पित करें।

"नवभिस्तन्तुभिर्युक्तं त्रिगुणं देवतामयम्।
उपवीतं मयादत्तं गृहाण परमेश्वर।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
यज्ञोपवीतं समर्पयामि।।"

9. गन्ध (Gandha)

यज्ञोपवीत भेंट करने के पश्चात निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को सुगन्ध अर्पित करें।

"श्री खण्ड चन्दन दिव्यं गन्धाढयं सुमनोहरम्।
विलेपणं सुरश्रेष्ठ चन्दनं प्रतिगृह्यताम्।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
गन्धं समर्पयामि॥"

https://pdfseva.com/

10. अक्षत (Akshata)

सुगन्ध अर्पित करने के उपरान्त गणेश जी को निम्नलिखत मन्त्र का उच्चारण करते हुए अक्षत (साबुत चावल) अर्पित करें।

"अक्षताश्च सुर श्रेष्ठ कुंकुमालाः सुशोभिताः।
मया निवेदिता भक्तया गृहाण परमेश्वर॥
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
अक्षतान् समर्पयामि॥"

11. पुष्प माला, शमी पत्र, दुर्वाङ्कुर, सिन्दूर (Pushpa Mala, Shami Patra, Durvankura, Sindoor)

- **पुष्प माला (Pushpa Mala)**

अब निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को पुष्प माला अर्पित करें।

"माल्यादीनि सुगन्धीनि माल्यादीनिवै प्रभुः।
मया हृतानि पुष्पाणि गृह्यन्तां पूजनाय भोः॥
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
पुष्पमालं समर्पयामि।"

https://pdfseva.com/

• शमी पत्र (Shami Patra)

अब निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को शमी पत्र अर्पित करें।

"त्वत्प्रियाणि सुपुष्पाणि कोमलानि शुभानि वै।
शमीदलानि हेरम्ब गृहाण गणनायक।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
शमी पत्राणि समर्पयामि।"

• दुर्वाङ्कुर (Durvankur)

अब निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए तीन या पाँच की सँख्या में दूर्वा घास गणेश जी को अर्पित करें।

"दुर्वाकरान् सुहरितानमृतान् मङ्गल प्रदान्।
आनीतांस्तव पूजार्थ गृहाण गणनायक।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
दुर्वाङ्कुरान् समर्पयामि।।"

https://pdfseva.com/

• (Sindoor) सिन्दूर

अब निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को तिलक हेतु सिन्दूर अर्पित करें।

"सिन्दूर शोभनं रक्तं सौभाग्यं सुखवर्धनम्।
शुभदं कामदं चैव सिन्दूरं प्रतिगृह्यताम्।।
**ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
सिन्दूर समर्पयामि।"**

12. धूपं (Dhupam)

अब निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को धुप अर्पित करें।

"वनस्पतिरसोद्भूतो गन्धाढयो गन्धः उत्तमः।
आ यः सर्व देवानां धूपोऽयं प्रतिगृह्यताम्।।
**ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
धूपमाघ्रापयामि समर्पयामि।"**

https://pdfseva.com/

13. दीपं (Deepam)

अब निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को दीप अर्पित करें।

“साज्यं चवर्तिसंयुक्तं वह्निना योजितं मया।
दीपं गृहाण देवेश त्रैलोक्यतिमिरा पहम्।।
भक्त्या दीपं प्रयच्छामि देवाय परमात्मने।
त्राहिमां निरयाद् घोराद्दीपज्योतिर्नमोऽस्तुते।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
दीपं दर्शयामि।”

https://pdfseva.com/

14. नैवेद्य एवं करोद्वर्तन (Naivedya and Karodvartan)

- **नैवेद्य निवेदन (Naivedya Nivedan)**

अब निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को नैवेद्य अर्पित करें।

"नैवेद्यं गृह्यतां देव भक्ति मे ह्यचलां कुरु।
ईप्सितं मे वरं देहि परत्र च परां गतिम्।।
शर्करा खण्ड खाद्यानि दधि क्षीर घृतानि च।
आहारं भक्ष्य भोज्यं च नैवेद्यं प्रतिगृह्यताम्।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
नैवेद्यं मोदकमयऋतुफलानि च समर्पयामि।।"

https://pdfseva.com/

• चन्दन करोद्वर्तन (Chandan Karodvartan)

नैवेद्य अर्पित करने के पश्चात, निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए भगवान गणेश को जल मिश्रित चन्दन अर्पित करें।

“चन्दनं मलयोद्भूतं कस्तूर्यादि समन्वितम्।
करोद्वर्तनकं देव गृहाण परमेश्वर।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
चन्दनेन करोद्वर्तनं समर्पयामि।।”

https://pdfseva.com/

15. ताम्बूल, नारिकेल एवं दक्षिणा समर्पण (Tambula, Narikela and Dakshina Samarpan)

- **ताम्बूल समर्पण (Tambula Samarpan)**

अब निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए भगवान गणेश को ताम्बूल (पान - सुपारी) अर्पित करें।

"ॐ पूगीफलं महादिव्यं नागवल्लीदलैर्युतम्।
एला चूर्णादिसंयुक्तं ताम्बूलं प्रतिगृह्यताम्।।
**ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
मुख वासार्थमेला पूगी फलादि सहितं ताम्बूल समर्पयामि।।"**

https://pdfseva.com/

- **नारिकेल समर्पण (Narikela Samarpan)**

अब निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को नारिकेल (नारियल) अर्पित करें।

"इदं फलं मयादेव स्थापितं पुरतस्तव।
तेन मे सफलावाप्तिर्भवेजन्मनि जन्मनि।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
नारिकेल फलं समर्पयामि।।"

- **दक्षिणा समर्पण (Dakshina Samarpan)**

अब निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को दक्षिणा (भेंट) अर्पित करें।

"हिरण्यगर्भगर्भस्थं हेम बीजं विभावसोः।
अनन्त पुण्य फलदमतः शान्तिं प्रयच्छ मे।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
द्रव्यं दक्षिणां समर्पयामि।।"

https://pdfseva.com/

16. नीराजन एवं विसर्जन (Neerajan and Visarjan)

• नीराजन/आरती (Neerajan/Aarti)

ताम्बूल व दक्षिणा अर्पण करने के पश्चात निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करके भगवान गणेश जी की आरती करें।

“कदली गर्भ सम्भूतं कर्पूरं तु प्रदीपितम्।
आरार्तिकमहं कुर्वे पश्य मे वरदो भव।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
कर्पूर नीराजनं समर्पयामि।”

https://pdfseva.com/

• पुष्पाञ्जलि (Pushpanjali)

अब निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए गणेश जी को पुष्पांजलि अर्पित करें।

"नानासुगन्धि पुष्पाणि यथा कालोद्भवानि च।
पुष्पाञ्जलिर्मया दत्तो गृहाण परमेश्वर।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
मन्त्र पुष्पाञ्जलि समर्पयामि।।"

• प्रदक्षिणा (Pradakshina)

अब निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए पुष्प सहित गणेश जी की प्रतीकात्मक प्रदक्षिणा (गणेश जी के बाएं से दाएं की परिक्रमा) करें।

"यानि कानि च पापानि ज्ञाताज्ञात कृतानि च।
तानि सर्वाणि नश्यन्ति प्रदक्षिणा पदे पदे।।
ॐ सिद्धि-बुद्धि सहिताय श्री महागणाधिपतये नमः।
प्रदक्षिणां समर्पयामि।"

https://pdfseva.com/

• विसर्जन (Visarjan)

अब निम्नलिखित मन्त्र का उच्चारण करते हुए श्री गणेश विसर्जन के साथ पूजन सम्पन्न करें।

“आवाहनं न जानामि न जानामि तवार्चनम्।
पूजां चैव न जानामि क्षमस्व गणेश्वर।।
अन्यथा शरणं नास्ति त्वमेव शरणं मम्।
तस्मात्कारुण्य भावेन रक्षस्व विघ्नेश्वर।।
गतं पापं गतं दुखं गतं दारिद्रय मेव च।
आगता सुख सम्पत्तिः पुण्याच्च तव दर्शनात्।।
मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वर।
यत्पूजितं मया देव परिपूर्णं तदस्तु मे।।
यदक्षरपद भ्रष्टं मात्राहीनं च यद्भवेत्।
तत्सर्व क्षम्यतां देव प्रसीद परमेश्वर।।”

https://pdfseva.com/